

प्रेषक,

डॉ० अजय कुमार प्रद्योत,  
सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

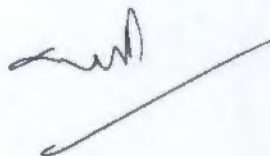
देहरादून: दिनांक: ०७ जनवरी, 2013

विषय:- युवा कल्याण विभाग के अन्तर्गत वर्ष 2012-13 में राज्य सेक्टर योजना में राज्य स्तरीय कार्यक्रमों के आयोजन हेतु प्राविधानित धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1048/दो-2353-पायका/2012-13 दिनांक 07 नवम्बर, 2012 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2012-13 में युवा कल्याण विभाग के अन्तर्गत राज्य सेक्टर योजना में राज्य स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन, राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन तथा राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड हेतु प्राविधानित क्रमशः ₹ 25.00 लाख, ₹ 16.49 लाख तथा ₹ 7.00 लाख अर्थात् कुल ₹ 48.49 लाख (अड़तालीस लाख उनचास हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नांकित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं०-193/XXVII(1)/2012 दिनांक 30 मार्च, 2012, तथा शासनादेश संख्या-321/XXVII(1)/2012 दिनांक 19 जून, 2012 में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।



.....(2)

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि, मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका/उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के नियम एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कराना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।
3. उपरोक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मितव्ययता के सम्बन्ध में शासनादेशों में इंगित शर्तों के अधीन किया जायेगा।
4. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2013 तक पूर्ण उपयोग कर मदवार वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय।
5. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2012-13 के अन्तर्गत अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-00-आयोजनागत-001-निदेशन तथा प्रशासन-04 -प्रादेशिक विकास दल एवं युवा कल्याण-00 मानक मद 42-अन्य व्यय मद में डाला जायेगा।

भवदीय,

(डॉ० अजय कुमार प्रद्योत)  
सचिव

पृष्ठांकन संख्या /6 /VI-2/2012-51(5)2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्दिरा नगर, देहरादून।
2. अपर सचिव नियोजन/वित्त, उत्तराखण्ड।
3. वरिष्ठ, कोषाधिकारी, देहरादून।
4. बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 6. एन0आई0सी0।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(लिख्मण सिंह)

अनुसचिव।